रिजर्व बैंक की कर्ज की मासिक किस्त (ईएमआई) भुगतान पर तीन महीने की रोक से आपको नहीं होगा कोई लाभ, बाद में अधिक ब्याज वसूलेंगे बैंक

देश के अधिकांश इलाकों में कोरोना का वायरस का संक्रमण बढ़ा तेजी, बिहार के सीवान जिले के एक युवक ने अपने परिवार के 21 सदस्यों में फैला दी कोरोना वायरस कोविड-19 बीमारी

ईएमआई माफ करने के लिए ऑनलाइन ठगी के मामले में एसबीआई, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई बैंक ने एडवाइजरी जारी किया, बैंक ईएमआई माफ करने के लिए कभी भी कॉल नहीं करती

आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटे में भारत में कोरोना सबसे ज्यादा 1035 मामले सामने आए और 40 लोगों की हुई है

WINNER GROUP OF COMPANIES
तरक्की सुनिश्चित है.....
WINNER CREDIT CO-OPRATIVE SOCIETY LIMITED
(Regd. No.:MSCS/CR/2292/2016)
कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा रजिस्टर्ड एवं मान्यता प्राप्त
1.Winner Credit Co-Oprative Society | 2.Winner Pharma (Medicine) | 3.Winner Real Estate | 4.Winner Digital Media (Web & Print Media, News Channel) | 5.Winner Infrastructures
6.Winner Health & Personal Care | 7.Winner Micro Finance (Proposed) | 8.Winner Film Devision | 9.Winner Lakshya Business (Direct Selling Company)
REGD. OFFICE : WINNER HOUSE, C-24, SECTOR-12 NOIDA-201301 U.P.
Contact No. : +91 8210595830. E-mail:- info@winnergroup.org, Website: www.winnergroup.org

NEWS TODAY Update
www.newstodayupdate.in
newstodayupdate.in

युवराज न्यूज़ टुडे
राष्ट्रीय हिन्दी पाक्षिक
आपकी आवाज़
RNI:- BIHHIN05409

रजि० कार्यालय : अष्ठाना निवास, मठिया जिरात, मोतिहारी-845401
समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें- 9471005272

email: newstodaymth@gmail.com
website : newstodayupdate.in

वर्ष : 06 अंक : 07+12 तिथि : 11 अप्रैल 2020 मूल्य : नि:शुल्क प्रधान संपादक : डा. राजेश अस्थाना – 9471005272, 8210595830

न्यूज़ टुडे लॉक डाउन स्पेशल रोजाना अंक

न्यूज टुडे एक्सक्लूसिव :

रिजर्व बैंक की कर्ज की मासिक किस्त (ईएमआई) भुगतान पर तीन महीने की रोक से आपको नहीं होगा कोई लाभ, बाद में अधिक ब्याज वसूलेंगे बैंक

डा. राजेश अस्थाना,
एडिटर इन चीफ, न्यूज टुडे मीडिया समूह :

भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले सप्ताह खुदरा और फसल समेत सभी प्रकार के कर्ज (टर्म लोन) तथा कार्यशील पूंजी भुगतान पर तीन महीने की रोक लगाने की अनुमति दी थी. रिजर्व बैंक की कर्ज की मासिक किस्त (ईएमआई) भुगतान पर तीन महीने की रोक से ग्राहकों को बैंकों और वित्तीय संस्थानों से संभवतः कोई बहुत ज्यादा लाभ होता नहीं दिख रहा. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा इस बारे में घोषित योजना के अनुसार, वे इन तीन महीनों का ब्याज बाद में वसूलेंगे. बैंकों के पास अब कार्यशील पूंजी की सीमा के बारे में निर्णय लेने का अधिकार है.

रिजर्व बैंक ने राहत पैकेज में कैसे दिया है निर्देश

केंद्रीय बैंक ने कहा था कि अगर इस अवधि के दौरान कर्ज की किस्त नहीं आती है, तो उसे चूक नहीं माना जाना चाहिए तथा उसकी सूचना कर्ज जानकारी रखने वाली कंपनियों को नहीं दी जानी चाहिए. ऐसा जान पड़ता है कि कर्जदाताओं के समक्ष अब दोहरी समस्या है. एक तरफ कोरोना वायरस महामारी के कारण उनकी आय प्रभावित हुई है, जबकि अगर वे आरबीआई के राहत उपाय को अपनाते हैं, उनके कर्ज लौटाने की मियाद बढ़ जाएगी.

एसबीआई ने टालने वाले किस्तों पर ब्याज जोड़ने की भेजी सूचना

देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने ग्राहकों को भेजी सूचना में कहा कि मोहलत अवधि के दौरान जो भी बकाया राशि है, उस पर ब्याज जुड़ता रहेगा. बढ़ा हुआ ब्याज उन कर्जदारों से अतिरिक्त ईएमआई के जरिये लिया जाएगा, जो तीन महीने की मोहलत का विकल्प चुनते हैं.

छह लाख के गाड़ी लोन पर देना होगा 19 हजार रुपये का अतिरिक्त ब्याज

इसी प्रकार, अगर ग्राहक ने 6 लाख रुपये का वाहन कर्ज ले रखा है और उसे लौटाने के लिए 54 महीने का समय बचा है, तो छूट अवधि का विकल्प चुनने पर उसे 19,000 रुपये करीब अतिरिक्त ब्याज देना होगा जो 1.5 अतिरिक्त ईएमआई के बराबर है. बैंक के अनुसार, अगर ग्राहक ईएमआई देना जारी रखना चाहते हैं, उन्हें कुछ भी करने की जरूरत नहीं है और वे पहले की तरह अपनी किस्त दे सकते हैं.

मेल के जरिये देना होगा आवेदन

एसबीआई ने यह भी कहा कि जो ग्राहक ईएमआई को तीन महीने के लिए टालना चाहते हैं और उनकी किस्त राष्ट्रीय स्वचालित समाशोधन व्यवस्था (एनएसीएच) के जरिये जा रही है, उन्हें ई–मेल के जरिये आवेदन देना होगा. इसके साथ ही, किस्तों को रोके जाने और एनएसीएच को आगे बढ़ाने का अधिकार देना होगा. स्टेट बैंक ने आवेदन भेजने के लिये ई–मेल की सूची जारी की है.

आठ महीने की ईएमआई के बराबर होगा तीन ईएमआई टालने का ब्याज

एसबीआई ने उदाहरण देते हुए कहा कि अगर संबंधित ग्राहक का मकान कर्ज 30 लाख रुपये है और इसे लौ. टाने की अवधि 15 साल बची हुई है, तो तीन महीने की मोहलत अवधि का विकल्प लेने पर 2.34 लाख रुपये के करीब अतिरिक्त ब्याज लगेगा, जो 8 ईएमआई के बराबर है.

आईबीए ने जारी किया एफएक्यू

इस बीच, भारतीय बैंक संघ (आईबीए) ने बार–बार पूछे जाने वाले प्रश्न (एफएक्यू) जारी करते हुए कहा कि जिन कर्जदारों की आय पर फर्क नहीं पड़ा है, उन्हें अपनी ईएमआई समय पर भुगतान करनी चाहिए. बैंक के संघ आईबीए ने कहा कि अगर आपकी आय प्रभावित हुई है, तो आप आरबीआई के राहत उपाय का लाभ उठा सकते हैं. हालांकि, आपको ध्यान रखना चाहिए कि आप जो ईएमआई टालेंगे, उस पर मोहलत अवधि के दौरान आपको कुछ नहीं देना होगा, लेकिन उस खाते पर ब्याज लगेगा और बाद में आपको चुकाना होगा.यानी आपके कर्ज की लागत बढ़ेगी.

क्रेडिट कार्डधारकों को मोहलत के लिए क्रेडिट ब्यूरो को देना जरूरी नहीं

क्रेडिट कार्ड के बारे में आईबीए ने कहा कि इसमें आपको निर्धारित तिथि पर न्यूनतम राशि देनी होती है और ऐसा नहीं करने पर उसकी सूचना 'क्रेडिट ब्यूरो' को दी जाती है, लेकिन आरबीआई के सर्कुलर के मुताबिक क्रेडिट कार्ड पर बकाया राशि के बारे में तीन महीने तक क्रेडिट ब्यूरो को जानकारी नहीं दी जाएगी. उसने कहा है, "हालांकि क्रेडिट कार्ड जारी करने वाले वित्तीय संस्थान नहीं दी गयी राशि पर ब्याज वसूलेंगे. आपको इस बारे में कार्ड प्रदाता से ब्याज भुगतान के बारे में जानकारी लेनी चाहिए. हालांकि, इस दौरान दंड स्वरूप कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा, लेकिन आपको ध्यान रखना चाहिए कि क्रेडिट कार्ड बिल पर ब्याज सामान्यतः सामान्य बैंक कर्ज के मुकाबले ज्यादा होता है और आपको उसी अनुसार निर्णय करना चाहिए.

बची राशि लौटाने की बढ़ जाएगी मियाद

पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस ने कहा कि जो ग्राहक इस योजना का लाभ उठाते हैं, उनके लिए बची हुई राशि लौटाने की मियाद बढ़ जाएगी और ईएमआई में वृद्धि संभव है. रिजर्व बैंक की अधिसूचना के अनुसार, किस्त लौटाने पर रोक अवधि के बाद ऐसे कर्ज की मियाद तीन महीने बढ़ जाएगी. जो कर्ज है, उस पर मोहलत अवधि के दौरान भी ब्याज बनता रहेगा. इस छूट के तहत मूल राशि और या ब्याज, ईएमआई, एक मुश्त भुगतान और क्रेडिट कार्ड बकाया को तीन महीने के लिये टाला जा सकता है.

देश के अधिकांश इलाकों में कोरोना का वायरस का संक्रमण बढ़ा तेजी, बिहार के सीवान जिले के एक युवक ने अपने परिवार के 21 सदस्यों में फैला दी कोरोना वायरस कोविड-19 बीमारी

न्यूज टुडे टीम अपडेट : सिवान–पटना, बिहार

कोरोना वायरस को लेकर बढ़ती चिंता के बीच दुनिया में कई बदलाव हुए हैं।देश के अधिकांश इलाकों में कोरोना का वायरस का संक्रमण तेजी से बढ़ता जा रहा है। भीड़ भरे स्थानों पर जाने से लोग बच रहे हैं। बहुत से लोगों ने अपनी यात्राओं को स्थगित कर दिया है और बड़े लॉकडाउन के दौरान घरों में कैद है। सरकार और स्वास्थ्य विभाग की टीम इस पर काम कर रही है कि कैसे इस महामारी के संक्रमण को रोका जाए। लोगों से अपील की जा रही है लॉकडाउन में घर से बाहर ना निकले, यदि घर को कोई सदस्य विदेश से आया हो तो इसकी जानकारी जिला प्रशासन को देकर खुद को क्वारंटाइन यानी सबसे अलग होकर रखे। कोरोना के लक्षण दिखाई देने पर जांच जरूर कराए।

बावजूद इसके कई लोग ऐसा नहीं कर रहे हैं। ऐसे लोगों की नादानी की वजह से उनका परिवार ही नहीं, गांव–मोहल्ले के अन्य लोग भी कोरोन संक्रमण से नहीं बच पा रहे हैं। कुछ ऐसा ही हुआ है बिहार के सीवान जिले में। यहां एक युवक ने अपने परिवार के 21 सदस्यों में कोविड–19 बीमारी फैला दी है। इसी युवक के संपर्क में आने की वजह से 2 पड़ोसियों को भी कोराना हो गया है।

ओमान से लौटा था युवक

सिवान का यह शख्स पिछले दिनों ओमान से लौटा था। सभी ने इसकी जानकारी प्रशासन से छुपाई रखी। शख्स आइसोलेशन में जाने के बजाय पूरे परिवार के साथ मिलकर रहने लगा। इसे कई बार गांव में भी खुलेआम घुमते हुए देखा गया। कुछ दिनों पहले युवक की तबीयत बिगड़ी तो कोरोना की जांच कराई गई। रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर हड़कंप मच गया। इसके बाद पूरे परिवार की जांच हुई। नतीजा यहा निकला की परिवार की 12 महिलाएं और 4 पुरूष को कोविड–19 का संक्रमण हो गया है। अब डर यह है कि इन सदस्यों के संपर्क में आए गांव के और लोगों को भी संक्रमण हो सकता है।

प्रशासन ने परिवार के संपर्क में आने वाले 96 लोगों के सैंपल को जांचने के लिए भेजा है। इन लोगों की रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पायेगा कि कितने लोग कोरोना से संक्रमित हुए हैं। जिला प्रशासन ने अब गांव को सेनिटाइज कराने के लिए पटना से टीम बुला रहा है।

	राज्य	कुल केस	डिस्चार्ज	मौत
1	Andhra Pradesh	363	7	6
2	Andaman and Nicobar Islands	11	0	0
3	Arunachal Pradesh	1	0	0
4	Assam	29	0	1
5	Bihar	61	0	1
6	Chandigarh	18	7	0
7	Chhattisgarh	18	9	0
8	Delhi	903	25	13
9	Goa	7	1	0
10	Gujarat	308	31	19
11	Haryana	177	29	3
12	Himachal Pradesh	28	6	1
13	Jammu and Kashmir	207	6	4
14	Jharkhand	14	0	1
15	Karnataka	207	31	6
16	Kerala	364	123	2
17	Ladakh	15	10	0
18	Madhya Pradesh	435	0	33
19	Maharashtra	1574	188	110
20	Manipur	2	1	0
21	Mizoram	1	0	0
22	Odisha	48	2	1
23	Puducherry	5	1	0
24	Punjab	132	5	11
25	Rajasthan	553	21	3
26	Tamil Nadu	911	44	8
27	Telengana	473	43	7
28	Tripura	1	0	0
29	Uttarakhand	35	5	0
30	Uttar Pradesh	431	32	4
31	West Bengal	116	16	5

www.newstodayupdate.in
Published Date Sat, Apr 11, 2020, 9:30 AM IST

29 में 21 उसी युवक के परिवार के लोगों का टेस्ट पॉजिटिव

सीवन में कुल आज कुल 29 लोगों में कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। 21 उसी युवक के परिवार वाले हैं, जबकि दो उसके पड़ोसी है। बाकी छह लोग अलग हैं।

60 हुई बिहार में संक्रमितों की संख्या

गुरुवार को बिहार के सीवान जिले में दो और मरीजों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी, इससे राज्य में पॉजिटिव मरीजों की संख्या बढ़कर 60 हो गई । स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव संजय कुमार ने यहां बताया कि स्वाब जांच रिपोर्ट में सीवान जिले के रघुनाथपुर प्रखंड के पंजवार निवासी दो और लोगों को इस वायरस से संक्रमित पाया गया था। उन्होंने बताया कि इनमें एक 10 साल की बच्ची और एक 28 वर्ष का युवक है। दोनों के संक्रमित होने का कारण रघुनाथ प्रखंड के पंजवार गांव निवासी उस युवक के संपर्क में आना बताया जा रहा है, जिसके कोरोना पॉजिटिव होने की पुष्टि 03 अप्रैल को हुई थी। वह 21 मार्च को खाड़ी देश ओमान से भारत आया था। सीवान में दो और लोगों के कोरोना पॉजिटिव की पुष्टि होने के बाद बिहार में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 61 हो गई है।

आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटे में भारत में कोरोना सबसे ज्यादा 1035 मामले सामने आए और 40 लोगों की

न्यूज टुडे टीम अपडेट : नई दिल्ली :

कोरोनावायरस महामारी के कारण दुनिया त्राहिमाम कर रही है. भारत में भी में जानलेवा संक्रमण के मामले लगातार बढ़ोतरी पर है. स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटे में भारत में कोरोना सबसे ज्यादा 1035 मामले सामने आए हैं और 40 लोगों की मौत हुई है. शनिवार सुबह तक देश में कोरोना के कुल मामले 7447 हो चुके हैं और 239 लोगों की मौत हुई है. झारखंड में कोरोना के 3 नए मामले, रांची, कोडरमा और हजारीबाग में 1–1 पीड़ित का पता चला है.

भारत में लगातार मरीजों की संख्या बढ़ तो रही ही है और अब ज्यादा तेज रफ्तार से मरीज सामने आ रहे हैं. महाराष्ट्र में हालात बेकाबू होते जा रहे हैं. देशभर में अभी कोरोना के कहां कितने मामले आए हैं.

ईएमआई माफ करने के लिए ऑनलाइन ठगी के मामले में एसबीआई, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई बैंक ने एडवाइजरी जारी किया, बैंक ईएमआई माफ करने के लिए कभी भी कॉल नहीं करती

ई. युवराज,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी, न्यूज टुडे मीडिया समूह : नई दिल्ली :

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) द्वारा ईएमआई भरने के समय में ग्राहकों को छूट देने की निर्देश बैंकों के लिए संकट बनता जा रहा है. समय में मोहलत देने के नियम को जालसाज अपने तरीके से भूना कर ग्राहकों को ऑनलाइन ठगी का शिकार बना रहे हैं, जिससे परेशान होकर एसबीआई, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई बैंक ने अपने ग्राहकों के लिए एडवाइजरी जारी किया है.

बैंकों द्वारा जारी की गयी एडवाइजरी में कहा गया है कि आपको किसी भी तरह के ऑनलाइन या ऑफलाइन मैसेज आता है, जो ईएमआई माफ करने के संदर्भ में हो तो तुरंत सावधान हो जायें. एसबीआई, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई बैंकों ने अपनी एडवाइजरी में कहा है कि अगर आप जालसाज के झांसे में आते हैं तो, दो आपके खाते से सारे पैसे उड़ा सकता है.

क्या है एडवाइजरी में

तीनों बैंकों ने जो एडवाइजरी जारी किया है उसके अनुसार बैंक आपको ईएमआई माफ करने के लिए कभी भी कॉल नहीं करती है. अगर इस तरह का कॉल आता है तो, तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज करायें. बैंकों ने कहा है कि जालसाज आपको ठगने के लिए कई तरह की रणनीतियां अपना सकता है. मसलन वो आपके खाते और पस. नल डीटेल के बारे में बात करके आपको खुद बैंक कर्मचारी बताएगा.

एडवाइजरी में आगे कहा गया है कि इसके बाद वो आपको ईएमआई माफ करने का आश्वासन और विधि बताएगा और फिर आपसे एक ऑनलाइन फार्म भरने के लिए कहेगा. फॉर्म भरने के बाद जालसाज आपके कार्ड से ऑनलाइन ट्रांसफर का खेल करेगा और फिर आपसे ओटीपी पूछेगा.

बैंक द्वारा जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि बैंक किसी भी सूरत में अपने ग्राहकों से ओटीपी नहीं पूछती है. इसलिए जैसे ही ओटीपी पूछा जाये आप सावधान हो जाइये तुरंत अपने बैंक या पुलिस थाने से संपर्क करें.

सोशल डिस्टेंस बना कर रहने की नसीहत देने गए मुखिया पर जानलेवा हमला, बांस-बल्ले से मार किया जख्मी, मुखिया के सर में गंभीर चोट, पीएचसी में भर्ती

रिंकू गिरी, स्थानीय संवाददाता, न्यूज टुडे

बिहार के मोतिहारी में तुरकौलिया मध्य पंचायत के मुखिया पर गुरुवार शाम को ग्रामीणों ने हमला कर दिया. मुखिया सुनील टाइगर शाम में ग्रामीणों को सोशल डिस्टेंस बना कर रहने की नसीहत देने गये थे. इस दौरान उन पर हमला कर दिया गया और बांस–बल्ले से मार उन्हें जख्मी कर दिया. इलाज के लिए उन्हें पीएचसी में भर्ती कराया गया है. मुखिया के सर में गंभीर चोट लगी है.

थानाध्यक्ष नवनीत कुमार ने बताया कि आवेदन नहीं मिला है. आवेदन मिलने पर कार्रवाई की जायेगी. बताया जाता है कि गांव में लोग समूह बनाकर बैठे थे. इस दौरान मुखिया सुनील उनलोगों को कोरोना वायरस के खतरे से बचने के लिए सोशल डिस्टेंस बना कर रहने की नसीहत दी.

इस पर कुछ लोग भड़क गये और गाली गलौज करने लगे. जब उन्होंने गाली देने से मना किया तो रंग और बांस–बल्ले से मार ज ख्मी कर दिया. घटना के बाद तनाव बना हुआ है. थानाध्यक्ष ने बताया कि स्थिति सामान्य है.

जिलाधिकारी शीर्षत कपिल अशोक ने सदर अस्पताल का किया निरीक्षण, पीकू वार्ड में भर्ती एईएस से पीड़ित बच्चे को देख वार्ड में टीवी लगाने के दिए निर्देश ताकि कार्टून फिल्मों को देख बच्चे रहेंगे खुश

आशीष राज, स्थानीय संपादक, न्यूज टुडे

जिलाधिकारी शीर्षत कपिल अशोक ने सदर अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने सबसे पहले पीकू (पेडिएट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट) वार्ड में भर्ती एईएस से पीड़ित बच्चे को देखा। वहां के इंतजाम के बारे में पूछा। यह भी कहा कि अनावश्यक किसी को रेफर न किया जाए। जब जांच व इलाज की बेहतर सुविधा यहां उपलब्ध है तो फिर इन्हें रेफर क्यों किया जाए।

उन्होंने सभी चिकित्सा कर्मियों के कार्यों का सराहना करते हुए निष्ठा के साथ काम करने की सलाह दी। डीएम ने वार्ड का निरीक्षण करने के बाद कहा कि इस वार्ड में टीवी भी लगाया जाए। टीवी पर कार्टून फिल्मों को देख बच्चे खुश रहेंगे। उन्होंने बच्चों के लिए फल का इंतजाम करने के लिए भी प्रबंधक विजयचंद्र झा को कहा।

वहीं, ऑन ड्यूटी डॉक्टर से कहा कि वे भी डायट में फल लेने की सलाह दें। ताकि बच्चों के पोषण स्तर में सुधार हो। इसके बाद उन्होंने जनरल शिशु वार्ड को भी देखा। वहां एसी लगाने का निर्देश दिया। निरीक्षण के क्रम में डीएम ने आइसोलेशन वार्ड एवं प्रसूती वार्ड की व्यवस्था को भी देखा। मरीजों व वहां तैनात चिकित्सा कर्मियों से बात की। समस्याओं के बारे में भी पूछा। इस बीच एंबुलेंस चालकों ने अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। लंबे समय से वेतन भुगतान न होने की बात बताई। होटल बंद होने से खाने की समस्या के बारे में भी बताया।

डीएम ने कहा कि वे वेतन के लिए संबंधित एजेंसी से बात करेंगे। साथ ही प्रबंधक को इनके खाने की व्यवस्था सदर अस्पताल में ही करने का निर्देश दिया। मौके पर सिविल सर्जन डॉ. रिजवान अहमद, उपाधीक्षक डॉ. मनोज कुमार, वरीय उप समाहर्ता सुधीर कुमार, डॉ. पंकज कुमार, डॉ. कुमार अमृतांशु, डॉ. अनिल कुमार सिन्हा, डॉ. अनुपम, डब्ल्यूएचओ के एसएमओ डॉ. सुबहान अली, केयर के अभय भगत, यूनिसेफ के डॉ. धर्मेंद्र कुमार आदि उपस्थित थे।

Yuvaraj Media & Entertainment's
NEWS TODAY Update
A National News Portal
www.newstodayupdate.in

NEWS TODAY Update | न्यूज टुडे | Yuvaraj Media & Entertainment
चुनाव प्रचार
हमारा लक्ष्य, आपकी जीत
DIGITAL CAMPAIGNING
Bulk SMS Marketing | Whatsapp Marketing | Social Media Marketing | Voice Call Marketing
Yuvaraj Media & Entertainment
बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830

बस एक क्लिक कीजिए
देश दुनिया की खबर के साथ अपनी खबर भी देखिए
www.newstodayupdate.in
A Fast Growing Web News Portal
A unit of Yuvaraj Media Entertainment
Contact for News & Advt.: 9471005272, 8210595830

Yuvaraj Media & Entertainment
बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830